Test #01

दृष्टि The Vision

Mentorship Program

drishti

Drishti Mentorship Program Mains-2023

निबंध (ESSAY)

निर्धारित समय: 3 घंटे
Time allowed: 3 Hours

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

Name: Vinod Kumar Meena **Mobile Number:** [redacted]

Medium (English/Hindi): Hindi **Email:** [redacted]

Center & Date: 24/06/2023 **UPSC Roll No.:** 0803333

प्रश्नपत्र संबंधी विशेष अनुदेश

(प्रश्नों के उत्तर देने से पहले निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को कृपया ध्यानपूर्वक पढ़ें)

प्रवेश-पत्र में प्राधिकृत माध्यम में निबंध लिखना आवश्यक है तथा इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख उत्तर पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर करना आवश्यक है। प्राधिकृत माध्यम के अलावा अन्य माध्यम में लिखे गए उत्तरों को अंक नहीं दिये जाएंगे।

प्रश्नों के उत्तर निर्दिष्ट शब्द-संख्या के अनुसार होने चाहिये।

उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए किसी पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

The ESSAY must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Answer Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other than the authorized one.

Word limit, as specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Answer Booklet must be clearly struck off.

	निबंध विषय संख्या (Essay Topic No.)	अंक (Marks)
खंड-A Section-A		
खंड-B Section-B		
सकल योग (Grand Total)		

मूल्यांकनकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

drishti | दृष्टि The Vision

Feedback

1. Context Proficiency (संदर्भ दक्षता)
2. Introduction Proficiency (परिचय दक्षता)
3. Content Proficiency (विषय-वस्तु दक्षता)
4. Language/Flow (भाषा/प्रवाह)
5. Conclusion Proficiency (निष्कर्ष दक्षता)
6. Presentation Proficiency (प्रस्तुति दक्षता)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

खण्ड-A

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

"आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के साथ बिताया गया एक साल किसी को भी ईश्वर में विश्वास दिलाने के लिए काफी है।"

सुबह के समय अलार्म घड़ी बजती है, जैसे ही व्यक्ति द्वारा उस अलार्म घड़ी को बंद किया जाता है, वैसे ही उस कमरे की ~~ब~~ लाइट ऑन हो जाती है और वाशरूम में गीजर से पानी गर्म होना शुरू हो जाता है। जब व्यक्ति नहाकर बाहर आता है और नाश्ते की टेबल पर बैठता है तो उसी समय उसके स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए नाश्ते के लिए सामग्री की सूची उस व्यक्ति के मोबाइल फोन में आ जाती है। व्यक्ति जैसे ही ऑफिस के लिए निकलता है, उसके घर की बिजली ऑफ हो जाती है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

गाड़ी का दरवाजा अपने आप खुल जाता है, यात्रा के दौरान व्यक्ति की पसंद के अनुसार गाड़ी में गाना बजने लग जाता है।

उपरोक्त प्रकरण में जो घटनाएँ एक के बाद एक हो रही हैं और आपस में जुड़ी हुई हैं यह इंटरनेट ऑफ थिंग्स की घटना है, जो कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर आधारित है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एक प्रौद्योगिकी है, जिसके अंतर्गत मशीनों का प्रयोग करके मानव जैसी क्षमता का विकास किया जाता है। इसके माध्यम से मानव द्वारा किए जाने वाले लगभग वह सभी कार्य किए जा सकते हैं, जिसमें मानवीय रचनात्मकता की आवश्यकता

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

न हो। उदाहरण के तौर पर हाल ही विकसित किया गया 'चैट जीपीटी' इसके द्वारा इंटरनेट पर उपलब्ध सूचनाओं के आधार पर जानकारी प्रदान करना है।

कुछ जानकारों का मानना है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के आने के बाद मानव की क्षमता में वृद्धि होगी क्योंकि इसके माध्यम से मानव में अतिरिक्त उपकरणों के माध्यम से उसकी शक्ति को बढ़ाया जा सकता है। इस तरह शक्ति में बढ़ोत्तरी को देखकर कुछ लोगों का मानना है कि यह किसी भी व्यक्ति को ईश्वर में विश्वास दिलाने के लिए काफी है क्योंकि कई दार्शनिकों का मानना है कि ईश्वर सर्वज्ञ, सर्वशक्तिमान

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

है।

ईश्वर की अलग-अलग धारणाओं को मानने वालों में 'शंकराचार्य' जी के 'अद्वैतवाद दर्शन' के अनुसार ब्रह्म और जगत एक ही है, उनमें किसी भी तरह का भेद नहीं है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस भी भौतिक वस्तुओं से ही निर्मित किया गया है और उसमें धीरे-धीरे सोचने-विचारने की क्षमता विकसित की जा रही है। जैसे कि सोफिया रोबोट के माध्यम से देखने को मिल रहा है, जिसको हम चेतना के प्रवाह जैसा मान सकते है। अत: कुछ लोगों के अनुसार अगर व्यक्ति की क्षमता में वृद्धि की जा सकती है या फिर मनुष्य जैसे रोबोट बनाए जा

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

सकते है तो ये भी संभव है कि ईश्वर के द्वारा ही मनुष्यों और इस जगत का निर्माण किया गया हो और यह कुछ दार्शनिकों को मानना है कि-

"ईश्वर को जाना नहीं जा सकता, केवल माना जा सकता है।"

अत: आर्टिफिशियल इंटलिजेंस के आने के साथ ही ईश्वर के प्रति विश्वास में बढ़ोतरी हो सकती है। क्योंकि अगर मनुष्य द्वारा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी क्षमता का विकास किया जा सकता है तो फिर यह संभव है कि इस ब्रह्मांड का निर्माण भी ईश्वर ने किया हो और साथ ही कुछ दार्शनिकों का यह मानना है कि भौतिक वस्तुओं से ही चेतना

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

का प्रवाह होता है और उसी चेतना को लोग आत्मा की संज्ञा भी देते हैं। इसी आधार पर ईश्वर को परमात्मा की संज्ञा भी दी जाती है। जैन दर्शन की भी मान्यता है कि "पृथ्वी के कण-कण में ईश्वर विद्यमान है" अर्थात् भौतिक वस्तुओं में भी चेतना का निवास होता है।

इसी आधार पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के साथ बिताए गए एक साल के आधार पर किसी भी व्यक्ति को ईश्वर में विश्वास दिलाया जा सकता है, लेकिन कुछ जानकार इस मत से सहमत नहीं है, उनका मानना है कि जब मनुष्य द्वारा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

निर्माण किया जा सकता है तो इस जगत में ही ऐसी वस्तुओं की मौजूदगी है, जिनके संयोजन से चेतना का प्रवाह भी कराया जा सकता है और यह धारणा ईश्वर के अस्तित्व पर ही प्रश्नचिन्ह लगा देती है। जो दार्शनिक मानते हैं कि चेतना से भौतिक जगत का निर्माण होता है न कि भौतिक जगत से चेतना का निर्माण। ऐसे दार्शनिक विचारकों को मानने वालों के ईश्वर के अस्तित्व पर संदेह उत्पन्न हो जाएगा और ईश्वर के प्रति ईश्वर के विश्वास को कम कर देगा।

ऐसे ही जो लोग निर्गुण ईश्वर में विश्वास रखते हैं- जिनका मानना है कि

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

ईश्वर को गुणों में नही समेट सकते है अर्थात ईश्वर गुणातीत है जिसका अर्थ है कि ईश्वर गुणों से परे है। ईश्वर का कोई आकार नहीं होता यानि की ईश्वर निराकार होता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का एक आकार होता है और उसकी कुछ विशेषताएँ भी होती है, साथ ही उसमें हमेशा कोई न कोई कमी रहेगी अर्थात इसको गुणों में व्याख्यित किया जाता है। ईश्वर के संदर्भ में अगर उसे न्यायशील मान लिया जाता है तो फिर ईश्वर दयालु नहीं हो सकता है, जबकि लोगों के विश्वास के अनुसार ईश्वर न्यायप्रिय होने के साथ दयालु भी है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

इसी प्रकार से अगर देखा जाए तो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का विकास अभी शुरुआती स्तर पर है, इसके माध्यम से अभी मनुष्यों की तरह रचनात्मक व सृजनात्मक कार्य नहीं कर सकता अर्थात मनुष्य के पास जो सोचने-समझने की क्षमता का गुण है वह अभी तक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के माध्यम से परिपूर्ण नहीं हो पाया है। लेकिन इसी के एक भाग के रूप में 'डीप लर्निंग' का विकास किया जा रहा है जिसमें 'डिप न्यूरल नेटवर्क' के माध्यम से मनुष्यों जैसी क्षमताओं का विकास किया जा रहा है और यह मनुष्यों की क्षमता से परे भी कार्य

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

करने की क्षमता रखता है।

यह सर्वविदित है कि अभी तक हम आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की पूर्ण क्षमता का दोहन नहीं कर पाए है। अतः इसके आधार पर अभी से ही ईश्वर के प्रति विश्वास या अविश्वास पैदा करने की संभावना पर किसी भी राय पर एकमत होना जल्दबाजी होगी और साथ ही गैर-न्यायोचित होगी। प्राचीन काल से ही ईश्वर को लेकर न केवल भारतीय बल्कि पाश्चिमी दार्शनिकों ने भी विभिन्न मत प्रस्तुत किए है और अब तक हम न तो ईश्वर के अस्तित्व पर अंश मात्र जान पाए है और जो

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

ईश्वर के अस्तित्व को मानते भी है उनमें भी ईश्वर किस तरह का होगा, ईश्वर में क्या गुण होंगे इनके बारे में केवल अलग-अलग मत प्रस्तुत किए है लेकिन अभी तक ईश्वर को लेकर कोई राय नहीं बन पाई है। अतः निष्कर्षत हम इस बात पर पहुँचे है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के माध्यम से ईश्वर के विश्वास करने या न करने पर अभी कोई अंतर आना अभी मुश्किल है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

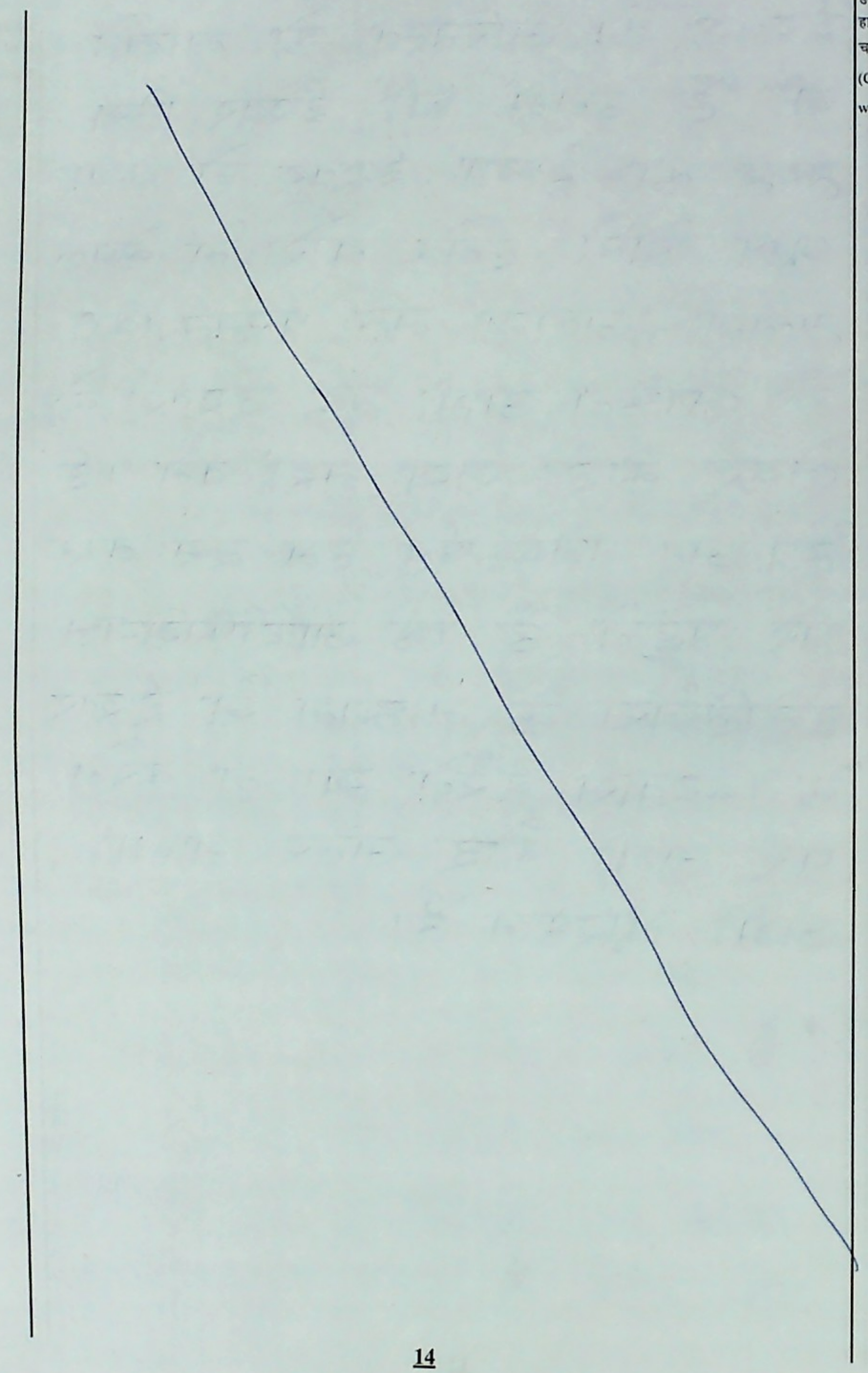

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

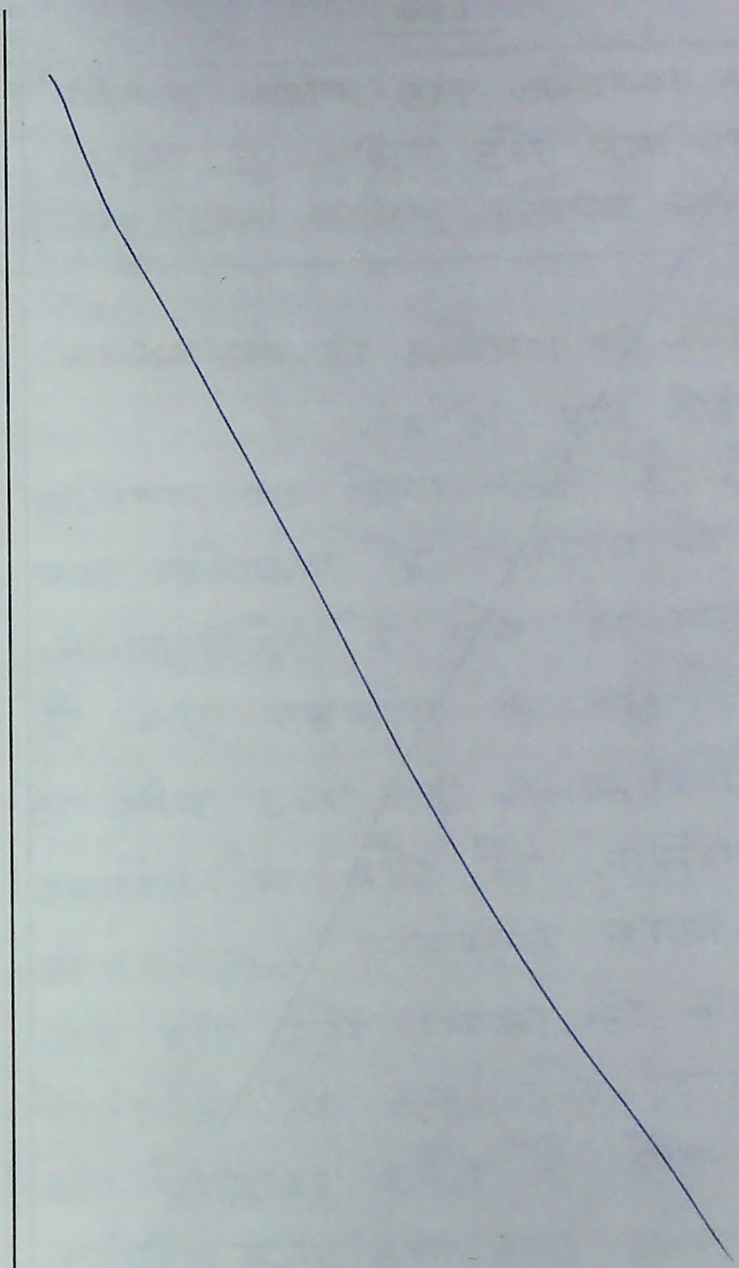

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

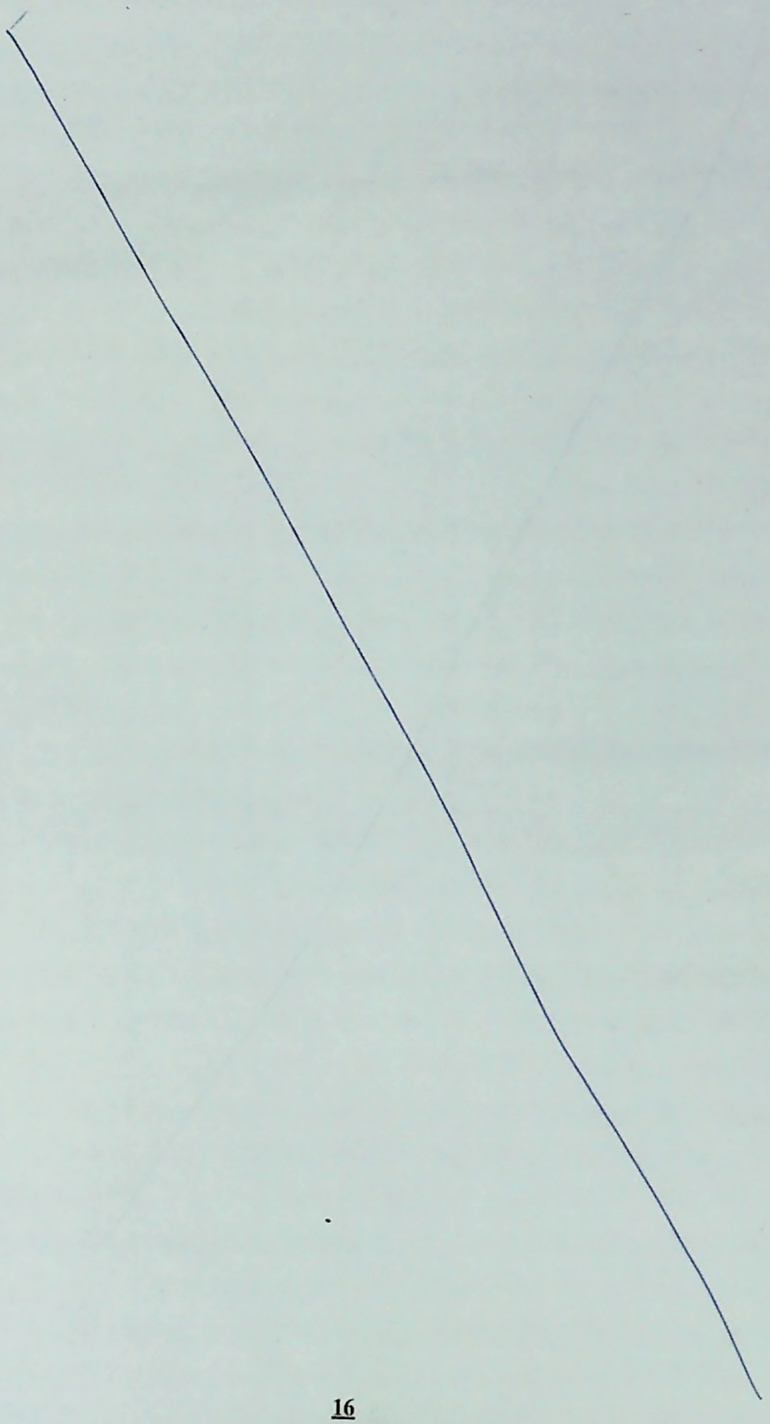

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

खण्ड-B

"जितना अधिक हम अन्वेषण करते हैं, उतना ही अधिक हमें पता चलता है कि कितना अधिक अन्वेषण करना बाकी है।"

"आवश्यकता ही अन्वेषण की जननी है।"

जब भी हम कोई नया अन्वेषण या खोज करते हैं तो हमें उस अन्वेषण के माध्यम से नवीन जानकारियों के बारे में पता चलता है, नए रहस्यों के खुलासे होते हैं और इन नई जानकारियों एवं रहस्यों के बारे में जानने की आवश्यकता महसूस होती है। जब भी हमें किसी की आवश्यकता होती है तो हम उसे प्राप्त करने की कोशिश करते हैं और यही आवश्यकता हमें नए अन्वेषणों और खोजों के बारे में जानने की प्रेरणा मिलती है। अर्थात

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

यह कहा जा सकता है कि जब भी हमें किसी चीज की आवश्यकता महसूस होती है हम उस चीज के लिए अन्वेषण शुरू कर देते हैं और जब भी हम कोई नया अन्वेषण करते हैं तो हमें नई आवश्यकताओं के बारे में पता चलता है जो हमें प्रेरित करती है कि और कितना अन्वेषण करना बाकी है।

देखा जाए तो जब आदि मानव का समय-काल चल रहा था, उस वक्त आग का पहली बार अविष्कार हुआ। यह आग का अविष्कार पत्थरों के आपस में टकराने के फलस्वरूप घर्षण के कारण उत्पन्न हुई। इस आग के अन्वेषण के फलस्वरूप आदि मानवों ने नया अन्वेषण शुरू

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

हुआ और आग के माध्यम से माँस को पकाना शुरू किया और पका हुआ खाना खाने का प्रचलन शुरू हुआ। साथ ही आग के अन्वेषण ने आग को जलाने के नई तरीकों की खोज शुरू की हुई। जो आग पत्थरों से लगाई गई थी वो आग रासायनिक अभिक्रियाओं आदि के माध्यम से नवीन खोज हुई और माचिस का प्रचलन शुरू हुआ। इसी तरह खाने के पकाने के तरीकों में भी नया अन्वेषण देखने को मिला, जो आग के माध्यम से शुरू हुआ था वो आज माइक्रोवेव ओवन आदि के माध्यम से खाने को पकाया जा रहा है।

आदि मानवों द्वारा ही पत्थरों के माध्यम से हथियारों का निर्माण प्रारंभ किया गया था,

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

जिसका प्राथमिक उपयोग शिकार के लिए किया जाता था। इसी अन्वेषण से पता चला कि हथियारों को और भी तरीकों से बनाया जा सकता है और इसी क्रम में लोहे के हथियारों का अन्वेषण शुरू हुआ और आज हथियारों के रूप में बैलिस्टिक व क्रूज मिसाइलें देखने को मिल रही हैं जो एक महाद्वीप से दूसरे महाद्वीप पर आक्रमण भी कर सकती हैं। इसी लोहे के हथियारों से प्रेरणा मिली और लोहे के ही अन्य उपकरणों का निर्माण किया जाने लगा, जिनमें हलों का निर्माण एक क्रांतिकारी घटना साबित हुई क्योंकि इन्हीं हलों के माध्यम से अनाज उगाना शुरू हुआ और समाज कबीलाई

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

से कृषि आधारित समाज में तब्दील हो गया। इसी आधार पर हम विभिन्न नए-नए तरीके की फसलें और नवीन कृषि पद्धतियों की खोज हो रही है। उदाहरण के तौर पर जीएम-फसलें, हाइब्रिड फसलें आदि।

इन्हीं लोहे के हथियारों की खोज से सैन्य क्षमता में बढ़ोत्तरी हुई और युद्ध के नए-नए तरीकों के बारे में अन्वेषण हुआ और इसी आधार पर राज्य की अवधारणा को बल मिला। इसी राज्य की अवधारणा ने कर की अवधारणा को भी प्रस्तुत किया और साथ ही समाज का विभाजन भी हुआ। समय के साथ-साथ राज्य के विभिन्न तंत्रों का अन्वेषण हुआ जैसे

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

कि धर्मतंत्र, राजतंत्र और आज के समय में लोकतंत्र व समाजवाद जैसी अवधारणाएँ।

शुरुआत में ऐसा माना जाता था कि पृथ्वी समतल है, लेकिन बाद में अन्वेषण के माध्यम से पता चला कि पृथ्वी सपाट न होकर गोल है और आज हमारे पास पृथ्वी का संपूर्ण मानचित्र मौजूद है लेकिन अभी कई गुढ़ रहस्यों के बारे में अन्वेषण की आवश्यकता है। इसी तरह प्राचीन काल में आर्यभट्ट के द्वारा शुन्य का अन्वेषण किया गया था और आज इसी शून्य के आधार पर बाइनरी डिजिट, गणितीय समीकरणें एवं विभिन्न तरह

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

की वैज्ञानिक खोजों के लिए मील का पत्थर साबित हुआ। शून्य की इसी उपयोगिता के बारे में विश्व के प्रसिद्ध वैज्ञानिक 'अल्बर्ट आइंस्टीन' ने कहा है कि-

"हम भारत के ऋणी हैं कि उन्होंने हमें शुन्य दिया वरना आज की वैज्ञानिक खोजें संभव नहीं हो सकती थी।"

इसी तरह बल्ब के अविष्कार ने भी नवीन अन्वेषणों की ओर प्रेरित किया। इन्हीं खोजों के परिणामस्वरूप 'जेम्स वाट' के द्वारा 'भाप के इंजन' का अविष्कार किया गया। इसी भाप के इंजन के फलस्वरूप में इंग्लैण्ड में नवीन कारखाना

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

प्रणालियों का अन्वेषण हुआ और औद्योगिक क्रांति का सूत्रपात बना। इसी औद्योगिक क्रांति के फलस्वरूप इंग्लैण्ड व अन्य युरोपीय देश नए-नए उपनिवेशों की खोज में निकल पड़े और इसी क्रम में दिशा सूचक यंत्र की सहायता से नवीन मार्गों का अन्वेषण हुआ। इसी का परिणाम है कि आज संपूर्ण विश्व आपस में जुड़ा हुआ है और वैश्वीकरण की अवधारणा को भी बल मिला।

इसी तरह के अन्वेषणों में एक महत्वपूर्ण सिद्धांत न्यूटन के द्वारा 'गुरूत्वाकर्षण' के संदर्भ में दिया गया था। इसी सिद्धांत को साबित करने के लिए नए-नए अन्वेषण किए गए और पता लगाया कि गुरूत्वाकर्षण की

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उत्पत्ति गुरूत्वाकर्षण तरंगों की वजह से हुई है साथ ही गुरूत्वाकर्षण तरंगों के बारे में पता चला कि इसके संदर्भ में अभी बहुत कुछ पता करना बाकी है। एक सिद्धांत के रूप में यह पता लगा है कि गुरूत्वाकर्षण तरंगों की उत्पत्ति दो बड़े ब्लैक हॉल के टकराने के परिणामस्वरूप हुई है। इन्हीं अन्वेषणों से पता चला है कि अभी हमें ब्लैक हॉल और ब्रह्मांड के रहस्यों के बारे में बहुत कुछ अन्वेषण करना बाकी है और साथ-साथ ही डार्क मैटर व डार्क एनर्जी से संबंधित रहस्यों का अन्वेषण करना अभी बाकी है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

किसी भी अन्वेषण के बाद हमें महसूस होता है कि यह ब्रह्मांड के दृष्टिकोण से बहुत ही सुक्ष्म चीज है और यह हमें अज्ञानता का अहसास भी दिलाती है कि हम अभी ब्रह्मांड के बारे में दशमलव बिंदु तक भी नहीं जानते है। यह हमें तार्किक रूप सोचने-समझने की क्षमता को विकसित करता है और हमारे भीतर वैज्ञानिक दृष्टिकोण को भी बढ़ावा देती है। यह न केवल किसी व्यक्ति के भीतर व्यक्तित्व का विकास करती है बल्कि उस राष्ट्र की संवृद्धि में भी योगदान देती है और साथ ही साथ नवीन अन्वेषणों के बारे में खोज करने के

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

लिए प्रेरित करती है जो कि समाज कल्याण, मानव कल्याण के साथ पर्यावरण के कल्याण के लिए भी महत्वपूर्ण है।

साथ ही साथ इन भौतिकवादी अन्वेषणों के अलावा किसी व्यक्ति को अपने भीतर भी अन्वेषण करने के लिए भी प्रेरित करता है। योग, ध्यान जैसे अन्वेषणों से पता चला है कि मानव के भीतर भी असीम क्षमता विद्यमान है। आज इन्हीं अन्वेषणों के कारण योग को अंतर्राष्ट्रीय दिवस के रूप में वैश्विक पटल पर ख्याति मिली है। यह भी हमें प्रेरित करता है कि हमें मानसिक स्तर पर भी अन्वेषण करने

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

की आवश्यकता है। आज के वैश्विक परिदृश्य में अन्वेषण का दायरा भौतिकवादी जगत के साथ-साथ मानसिक जगत के लिए भी उतना ही जरूरी है। अत: जब भी हम कोई अन्वेषण करते हैं तो यह अन्वेषण की अपार संभावनाओं को खोल देता है। लेकिन ध्यान देने योग्य बात यह है कि किसी भी खोज के परिणाम सकारात्मक व नकारात्मक दोनों हो सकते हैं। अत: हमें एक समन्वित दृष्टिकोण के साथ-साथ मानव कल्याण को ध्यान में रखकर अन्वेषण किया जाना चाहिए।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

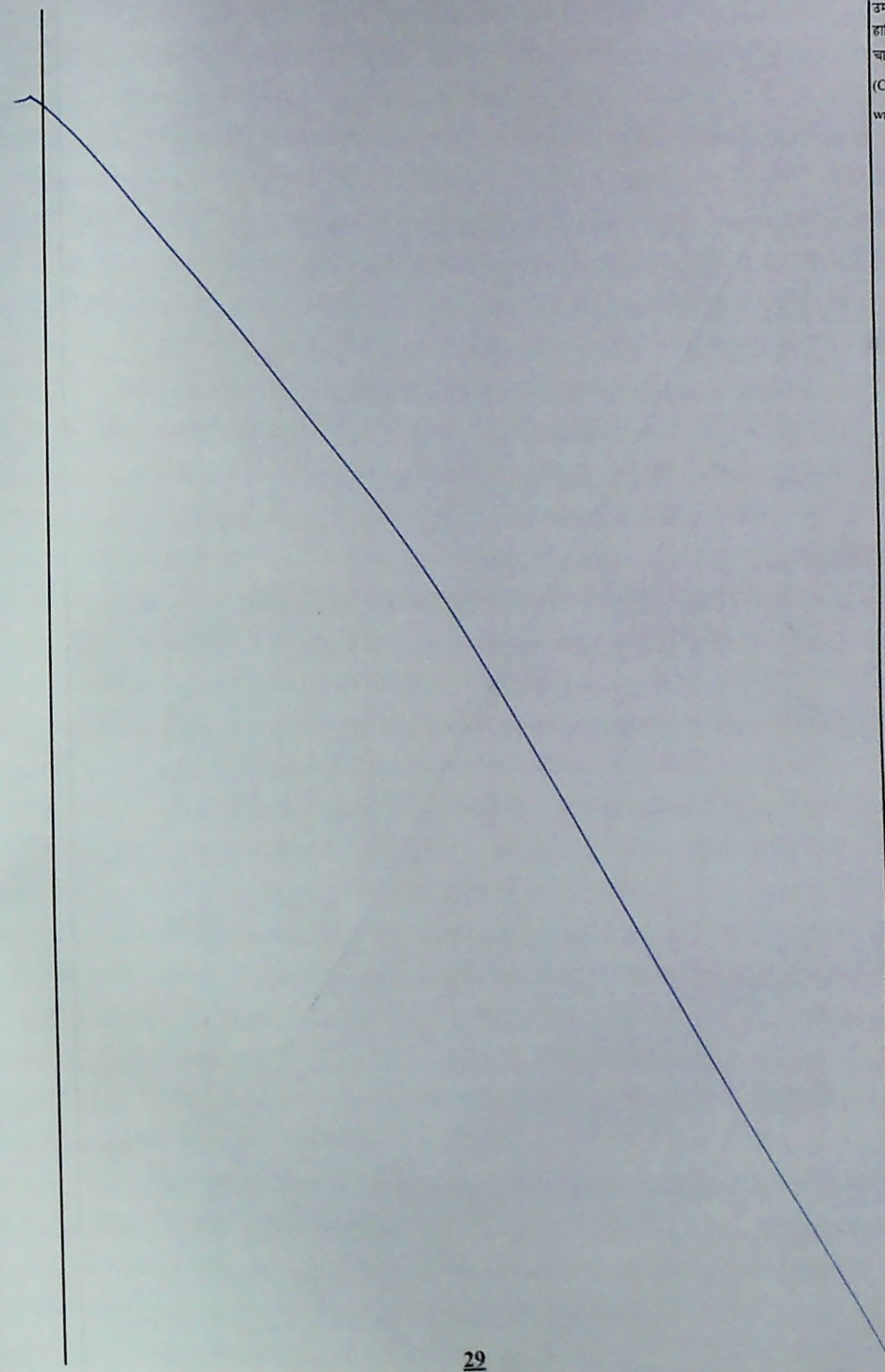

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation